STD. VIII HINDI LIT(जो बीत गई सो बात गई)

प्रश्न उत्तर :---

प्रश्न 1 'जो बीत गई सो बात गई'-- से कवि क्या कहना चाहते हैं ?

उत्तर :--'जो बीत गई सो बात गई' के द्वारा कवि कहना चाहते हैं कि जो वाकया बीत गया , जो कोई हमसे बिछड़ गया या खो गया तो उसे भूलने में ही हमारी भलाई है। हमें अपने अतीत को भुलाकर, दुखों को भुलाकर, वर्तमान में जीना चाहिए व खुशी से ज़िन्दगी में आगे बढ़ना चाहिए ।

प्रश्न 2.आपके विचार से 'जीवन में एक सितारा' किसे माना जाएगा ?

उत्तर:- मेरे विचार से 'जीवन में एक सितारा' उस प्यारे व्यक्ति या वस्तु को माना जाएगा, जो हमें बहुत प्रिय है, जिससे हमें बेहद लगाव है और उससे बिछड़ना हमें मृत्यु समान प्रतीत होता है।

प्रश्न 3.अंबर के पास शोक मनाने का क्या कारण है? क्या वह शोक मनाता है ?

उत्तर:--अंबर के पास अनगिनत तारे हैं। लेकिन उसका कोई प्रिय तारा टूट जाता है,तो उसके पास शोक मनाने का कारण है।

मगर अंबर शोक नहीं मनाता है, क्योंकि प्रकृति का यही नियम है कि जहाँ सृजन है, वहीं विध्वंस भी है।इस पृथ्वी पर सारी चीज़ें नश्वर हैं और आकाश यह बात जानता है।

प्रश्न 4. मधुबन हमें क्या शिक्षा देता है?

उत्तर :- जिस प्रकार मधुबन अपनी सूखी डालियों व फूलों तथा मुरझाई हुई कलियों को लेकर कभी शोर नहीं मचाता। उसी प्रकार मनुष्य के जीवन में बीती बातों को लेकर, सपने के टूट जाने पर या जीवन में प्रिय वस्तु के लुप्त (नष्ट) हो जाने पर शोर नहीं मचाना चाहिए, दुखी नहीं होना चाहिए ।जीवन में हर्ष- विषाद, सुख-दुख इन सभी को समान रुप से अपनाना चाहिए और अतीत की स्मृतियों को साथ संजो कर आगे बढ़ते रहना चाहिए।

प्रश्न 5.कवि किसे भुलाने की बात कर रहे हैं?

उत्तर:- कवि बीते हुए वक्त को भुलाकर, वर्तमान की चिंता करने के लिए कहते हैं। हर एक के जीवन में सुख व दुख अवश्य ही आते हैं और मनुष्य कभी न कभी अपनी प्रिय वस्तु या प्राणी को खोता ही है, पर प्रिय वस्तु के खोने या उसे याद कर, कभी शोक नहीं मनाना चाहिए बल्कि उसकी स्मृतियों को साथ लेकर, जीवन के बाकी बचे हुए समय को सुख पूर्वक बिताना चाहिए।

प्रश्न 6. मिट्टी की चीज़ मिट्टी में ही मिल जाते हैं-- स्पष्ट करें।

उत्तर:-- मधु के घट मिट्टी के बने होते हैं। मुलायम मिट्टी के कारण घट कभी न कभी टूट कर,बिखर कर मिट्टी में मिल ही जाता है। ठीक उसी प्रकार मनुष्य जीवन भी क्षणभंगुर होता है। कभी न कभी उसे यह संसार छोड़ना ही पड़ता है।इसलिए मनुष्य को इस वास्तविकता को स्वीकार कर लेना चाहिए।इसका दुख नहीं मनाना चाहिए। कवि इसके द्वारा जीवन और मृत्यु के सत्य को दर्शाते हैं और यह बताते हैं कि हमारा नश्वर शरीर आख़िरकार पंचतत्वों में विलीन होना ही है। यही विधि का विधान है।

प्रश्न 7. इस कविता द्वारा कवि के किस दृष्टिकोण का परिचय मिलता है?

उत्तर :--इस कविता के द्वारा कवि के इस दृष्टिकोण का पता चलता है कि वे अतीत के दुखों को भुलाकर सतत् कर्म करते रहना चाहते हैं, जीवन में आगे बढ़ना चाहते हैं। अपने दुखों को याद कर शोक मनाने से अच्छा है कि जीवन के बाकी बचे हुए समय को सुख पूर्वक बिताया जाए और स्मृतियों को संजोए रख कर भी जीवन का भरपूर आनंद उठाया जाए।

प्रश्न 8.कवि ने किन-किन दृष्टांतों के माध्यम से अतीत के दुखों से दुखी न होने की सलाह दी है?

उत्तर:--इस कविता में कवि ने आकाश, तारे, फूल, मदिरालय, प्यालों के माध्यम से अतीत के दुखों से दुखी न होने की सलाह दी है। आकाश किसी भी प्रिय तारे के टूट जाने पर शोक नहीं मनाता, उपवन किसी फूल तथा लताओं के सूख जाने पर शोर नहीं मचाता तथा मदिरालय किसी प्यालें के टूट कर बिखर जाने पर कभी नहीं पछताता, उसी प्रकार कवि ने मानव को भी किसी प्रिय वस्तु के नष्ट होने पर या प्रियवर की मृत्यु पर शोक न करने के लिए कहा है, क्योंकि हमें जीवन में सुख- दुख को समान रुप से अपनाना है।

अतिरिक्त प्रश्न:---

प्रश्न 10. कवि ने "अंबर के आनन" को देखने की बात क्यों की है?

उत्तर:-- कवि ने अंबर के आनन को देखने की बात की है क्योंकि अंबर कभी भी अपने टूटे तारों पर शोक नहीं मनाता बल्कि बचे हुए तारों के साथ अपना हर पल खुशी से बिताता है। अंबर की यही अच्छाई मनुष्य को सीख दे जाती है कि उसे भी प्रिय के खो जाने पर दुखी न होकर, वर्तमान की चिंता कर,आगे बढ़ जाना चाहिए और मुसकुराते रहने की चेष्टा करनी चाहिए।

प्रश्न 11.'जो मादकता के मारे हैं, वे मधु लूटा ही करते हैं--से कवि का क्या आशय है ?

उत्तर:--इसके माध्यम से कवि कहते हैं कि जिन लोगों को जीवन जीने का तरीका आता है वैसे लोग दुख की स्थिति में भी खुशी खोज ही लेते हैं। ऐसे लोग वर्तमान को लेकर आगे बढ़ना पसंद करते हैं न कि बीती बातों के दर्द को लेकर शोक के अंधकार में डूबे रहते हैं।